मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR

राजभाषा प्रकोष्ठ/Hindi Cell

20

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

दिनांक : 12 जून 2025
स्थान : बैठक कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय
आयोजक: राजभाषा प्रकोष्ठ, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर।

राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार, सरकारी कार्यों में इसके सुचारु एवं सृजनात्मक उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **12 जून 2025** को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर के बैठक कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय में **एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला** का आयोजन किया गया।

प्रथम सत्र: उद्घाटन सत्र

कार्यशाला के प्रारंभ में प्रो. **राज कुमार व्यास, समन्वयक, राजभाषा एवं डॉ. ऋषि कुमार तिवारी, हिन्दी अधिकारी(प्रभारी)** द्वारा **मुख्य अतिथि कैलाश सिंह, अधिष्ठाता, संकाय कल्याण, विशिष्ट अतिथि प्रो. रोहित भाकर, कुलसचिव(प्रभारी) एवं प्रशिक्षक सुश्री रूमा वर्मा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, राजस्थान राज्य कार्यालय, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL)** को फूलदान(flower pot) प्रदान कर राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से स्वागत किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. कैलाश सिंह, अधिष्ठाता, संकाय कल्याण द्वारा किया गया। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में राजभाषा हिन्दी के वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास के साथ समन्वय पर विचार व्यक्त किए तथा संस्थान में राजभाषा के क्रियान्वयन को एक सतत प्रक्रिया के रूप में देखने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. रोहित भाकर, कुलसचिव(प्रभारी) ने भाग लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यशाला के आयोजन में डॉ. ऋषि तिवारी, हिन्दी अधिकारी एवं प्रो. राज कुमार व्यास, समन्वयक, राजभाषा ने मार्गदर्शन प्रदान किया। दोनों ने हिन्दी के प्रयोग को संस्थान के दैनंदिन कार्यप्रणाली में एकीकृत करने की दिशा में सारगर्भित सुझाव प्रस्तुत किए।

प्रशिक्षण सत्र:

कार्यशाला का द्वितीय एवं तृतीय सत्र प्रशिक्षण सत्र रहा। कार्यशाला की प्रमुख प्रशिक्षक सुश्री रूमा वर्मा ने निम्न विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया:

1. **राजभाषा हिन्दी, सामाजिकता एवं संस्कृति**– इस विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि हिन्दी, भारतीय समाज और संस्कृति एक दूसरे से घनिष्ठ रूप-से जुड़े हुए है। हिन्दी भाषा का उपयोग भारतीय संस्कृति को व्यक्त करने और संरक्षित करने के लिए किया जाता है। यह भारत की सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह भारत की विभिन्न संस्कृतियों एवं समाज को एक साथ लाने में मदद करती है।
2. **राजभाषा कार्यान्वयन के तकनीकी आयाम** – जिसमें कम्प्यूटरीकृत हिन्दी उपकरणों, अनुवाद संसाधनों एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी कार्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया एवं उनका उपयोग केसे किया जाए इसका लाइव प्रदर्शन भी किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

समापन सत्र:

व्याख्यान के उपरांत चर्चा परिचर्चा की गई एवं फीडबैक लिया गया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों/अनुभागों से 31 कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी एवं प्रेरणादायक बताया। कार्मिकों का विवरण इस प्रकार है:

	महिला	पुरुष	कुल
अधिकारी	2	7	9
कर्मचारी	19	3	22

(कुल- 31 प्रतिभागी)

इस कार्यशाला के सफल आयोजन में श्री पवन कुमार शर्मा, अधीक्षक, राजभाषा प्रकोष्ठ एवं श्री बीरेंद्र पाण्डेय, वरिष्ठ कार्य सहायक की सक्रिय भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। दोनों ने आयोजन की समस्त व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित किया।

अंत में हिन्दी अधिकारी एवं समन्वयक, राजभाषा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

छायाचित्र:

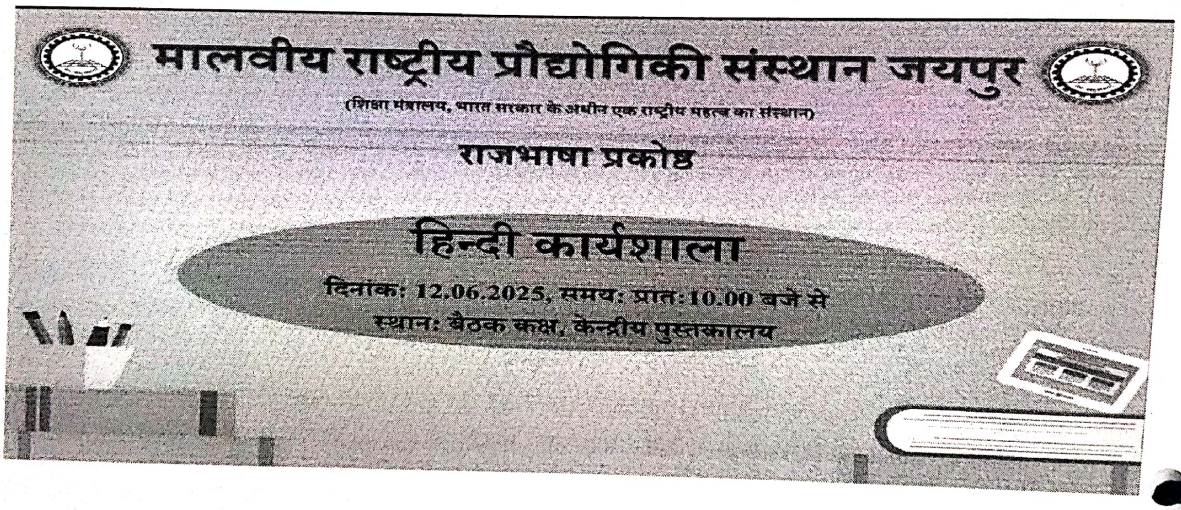

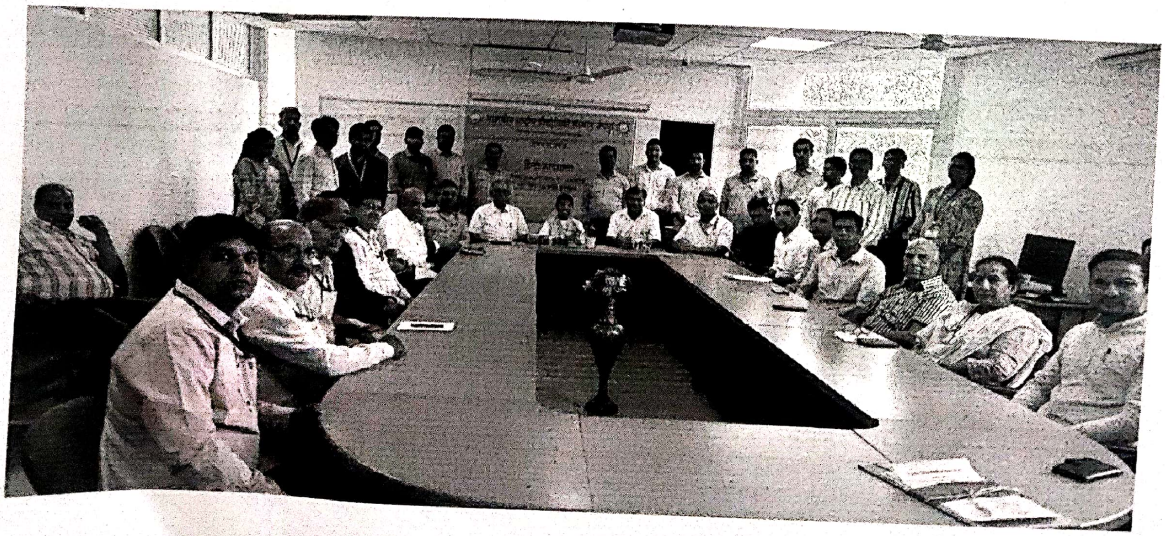

Scanned with OKEN Scanner

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR

राजभाषा प्रकोष्ठ/Hindi Cell

Scanned with OKEN Scanner